साँईं के दर पे जो आया

साँईं के दर पे जो आया,
जिसने जो चाहा वो पाया,
हुई है खता क्या साँईं,
क्यों तुमने मुझको भुलाया?

साँईं राम.... साँईं श्याम.....

दर पे साँई के जो भी आये,
दर से खाली कभी ना वो जाए,
दर से खाली कभी ना वो जाए,
झोली खाली लाये वो लेकिन,
झोली भर कर के वो लेके जाए,
साँई के दर पे जो आये.....

साँईं राम.... साँईं श्याम.....

मैं बालक साँई तेरा
दर पे अपने तू मुझको बुलाले,
गलतियाँ माफ कर दे तू मेरी,
तू गले से अपने लगा ले,
साँई के दर पे जो आये.....

साँईं राम.... साँईं श्याम.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29528/title/sai-ke-dar-pe-jo-aaya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |